ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

भगवान ने कहा आप मेरे
और आपने कहा आप मेरे...,
फिर क्या मुश्किल है?

(अव्यक्त मुरली - 03.04.1991)

Peace of Mind
d2h 1221
dishtv 1087
TATA PLAY 1065
airtel digital TV 678
SUN DIRECT 496

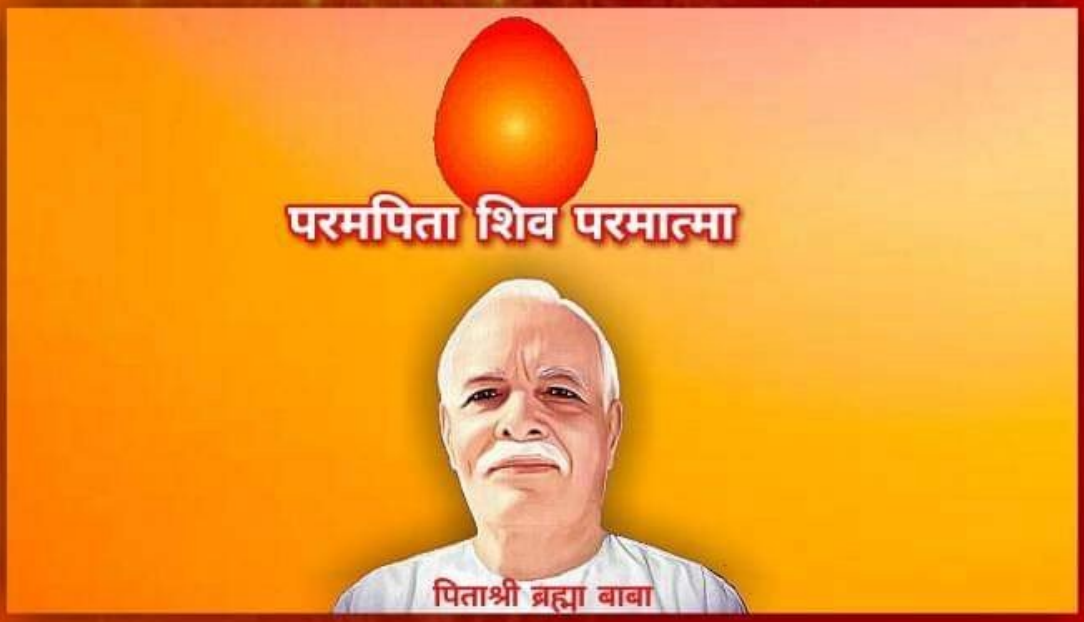

Om Shanti

निराकारी निर्विकारी निरंहकारी

यह ब्रह्मा बाप के संस्कार ही आपके संस्कार नेचुरल हों, सदा इन्हीं श्रेष्ठ संस्कारों को सामने रखो सारे दिन मे हर कर्म के समय चेक करो कि तीनों ही संस्कार इमर्ज रूप में हैं इन्हीं संस्कारों को धारण करने से स्व परिवर्तक सो विश्व परिवर्तक बन जायेंगे

Join Brahma Kumaris

निर्भयता और नम्रता ही योगी व ज्ञानी आत्मा का स्वरुप है।

Sakar Murli - 16.10.2005

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

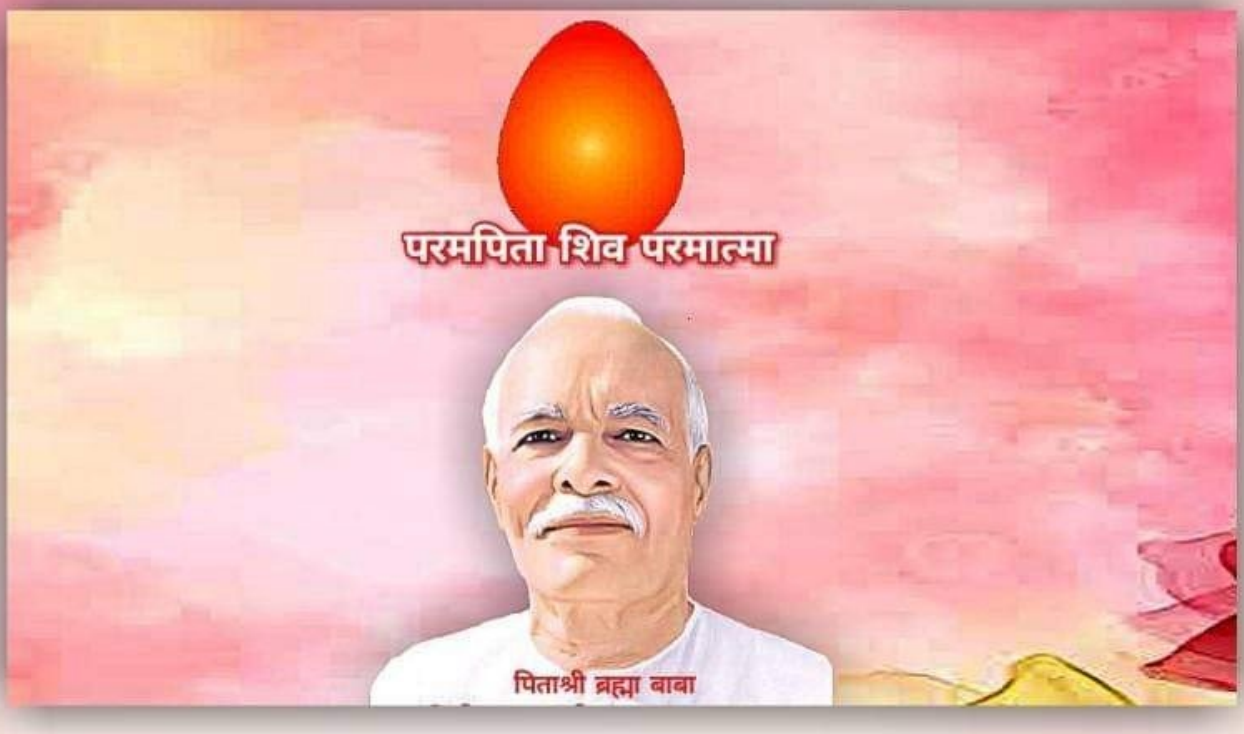

Om Shanti

वरदानी मूर्त भव।।

जो वरदानी मूर्त हैं वह स्वयं के जमा किये हुए अविनाशी खजानों द्वारा,स्वयं के गुणों द्वारा, स्वयं के ज्ञान खजाने द्वारा, वरदानी दृष्टि द्वारा, हिम्मत हुल्लास की शक्ति और खुशी का खजाना, अपने सहयोग की शक्ति से देकर निर्बल व कमजोर आत्माओं को शक्तिशाली बना देते हैं। उनका हर संकल्प हर आत्मा के प्रति कल्याण का होता है

Join Brahma Kumaris

शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा को योग लगाना नहीं पड़ता था किन्तु वह निरन्तर, सहज व स्वतः योगिन थीं। मन्मनाभव, मध्याजीभव के महामंत्र को वह स्वाभाविक रूप में धारण किये हुए थीं। अतः इस धरा पर चलते-फिरते भी इससे न्यारी भासती थीं। ऐसा लगता था जैसेकि उनकी बुद्धि सदा परमधाम में लटकी हुई हो तथा अतीन्द्रिय सुख का अनुभव कर रही हो। वह जब योगनिष्ठ होती थीं तो वातावरण में सन्नाटा छा जाता था। अन्य व्यक्तियों को शान्ति एवं शक्ति के शक्तिशाली प्रकम्पन अनुभव होते थे। उनमें योगियों के समस्त लक्षण विद्यमान थे जिस कारण उनका व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था।

ज्ञानी, योगी, धारणा स्वरूप और सेवाधारी की निशानी

बापदादा 4.12.1995

कई कहते हैं ज्ञान-योग बहुत अच्छा लगता है, अच्छा है वो तो ठीक है लेकिन कर्म में लाते हो ? ज्ञान माना आत्मा, परमात्मा, ड्रामा....यह कहना नहीं। ज्ञान का अर्थ है समझ। समझदार जैसा समय होता है वैसे समझदारी से सदा सफल होता है। समझदार की निशानी है कभी धोखा नहीं खाना - ये है ज्ञानी की निशानी, और योगी की निशानी है - सदा क्लीन और क्लियर बुद्धि। क्लीन भी हो और क्लियर भी हो। योगी कभी नहीं कहेगा-पता नहीं, पता नहीं। उनकी बुद्धि सदा ही क्लियर है। और धारणा स्वरूप की निशानी है सदा स्वयं भी डबल लाइट। कितनी भी जिम्मेवारी हो लेकिन धारणामूर्त, सदा डबल लाइट। चाहे मेला हो, चाहे झमेला हो-दोनों में डबल लाइट। और सेवाधारी की निशानी है-सदा निमित्त और निर्माण भाव। तो ये सभी अपने में चेक करो। कहने में तो सभी कहते हो ना कि चारों ही सब्जेक्ट के गॉडली स्टूडेण्ट हैं। तो निशानी दिखाई देनी चाहिये।

ओम् शान्ति

The lighter your heart,
the mightier your
head will be.

BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org